



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की

खण्ड-7] रुड़की, शनिवार, दिनांक 18 फरवरी, 2006 ई० (माघ 29, 1927 शक सम्वत्) [संख्या-07

विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

| विषय | पृष्ठ संख्या | वार्षिक चन्दा |
|---|--------------|---------------|
| सम्पूर्ण गजट का मूल्य | — | रु० 3075 |
| भाग 1-विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस | — | — |
| भाग 1-क-नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया | 53-80 | 1500 |
| भाग 2-आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के संस्करण | 25-27 | 1500 |
| भाग 3-स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइड एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निर्देश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया | — | 975 |
| भाग 4-निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तरांचल | — | 975 |
| भाग 5-एकान्टेन्ट जनरल, उत्तरांचल | — | 975 |
| भाग 6-बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट | — | 975 |
| भाग 7-इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ | — | 975 |
| भाग 8-सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि | — | 975 |
| स्टोर्स पर्वज-स्टोर्स पर्वज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि | — | 1425 |

भाग 1

विज्ञप्ति-अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

सिचाई विभाग

सेवानिवृत्ति विज्ञप्ति

02 जनवरी, 2006 ई०

संख्या 3819/II-05-01(46)/2005-एतद्वारा यह विज्ञापित किया जाता है कि उत्तरांचल प्रदेश अभियन्ता सेवा (सिचाई विभाग) श्रेणी "क" (सिविल) एवं (यांत्रिक) एवं श्रेणी "ख" के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी निम्न विवरणानुसार उनके नाम के सम्मुख अंकित तिथि को 60 वर्ष की अधिवर्धता आयु पूर्ण करने के उपरान्त सेवानिवृत्त हो जायेंगे:-

श्रेणी "क" (सिविल)

| क्र०सं० | अधिकारी का नाम | पदनाम | जन्मतिथि | सेवानिवृत्ति की तिथि | अभ्युक्ति |
|---------|---------------------------|----------------------------|----------|----------------------|-------------------------|
| 1. | श्री कंदल नैन विरमानी | अधिसासी अभियन्ता | 04.02.46 | 28.02.06 | उत्तरांचल विकल्पधारी |
| 2. | श्री राजेन्द्र कुमार जैन | अधीक्षण अभियन्ता | 06.03.46 | 31.03.06 | उत्तरांचल काडर |
| 3. | श्री मलखान सिंह वर्मा | अधीक्षण अभियन्ता | 31.07.46 | 31.07.06 | उत्तरांचल विकल्पधारी |
| 4. | श्री अशोक कुमार राठी | अधीक्षण अभियन्ता | 24.08.46 | 31.08.06 | उत्तरांचल काडर |
| 5. | श्री शिवदत्त | मुख्य अभियन्ता (स्तर-2) | 15.09.46 | 30.09.06 | उत्तरांचल विकल्पधारी |
| 6. | श्री हर विलास चन्द्र पाठक | मुख्य अभियन्ता (स्तर-2) | 08.10.46 | 31.10.06 | उत्तरांचल काडर |
| 7. | श्री नरेन्द्र सिंह | अधीक्षण अभियन्ता | 08.10.46 | 31.10.06 | उत्तरांचल काडर |

श्रेणी "क" (यांत्रिक)

| क्र०सं० | अधिकारी का नाम | पदनाम | जन्मतिथि | सेवानिवृत्ति की तिथि | अभ्युक्ति |
|---------|------------------|---------------------|----------|----------------------|-------------------------|
| 1. | श्री राम कुमार | अधिसासी अभियन्ता | 02.05.46 | 31.05.06 | उत्तरांचल विकल्पधारी |
| 2. | श्री विनय प्रकाश | अधीक्षण अभियन्ता | 31.05.46 | 31.05.06 | उत्तरांचल विकल्पधारी |

श्रेणी "ख"

| क्र०सं० | अधिकारी का नाम | पदनाम | जन्मतिथि | सेवानिवृत्ति की तिथि | अभ्युक्ति |
|---------|--------------------------|-------------------|----------|----------------------|-------------------------|
| 1. | श्री सुलेख चन्द्र गुप्ता | सहायक अभियन्ता | 08.04.46 | 30.04.06 | उत्तरांचल विकल्पधारी |
| 2. | श्री केशव दत्त पुरोहित | सहायक अभियन्ता | 18.04.46 | 30.04.06 | उत्तरांचल काडर |

| क्र०सं० | अधिकारी का नाम | पदनाम | जन्मतिथि | सेवानिवृत्ति की तिथि | अभ्युक्ति |
|---------|--------------------------------|--------------------------|----------|----------------------|-------------------|
| 3. | श्री राजेन्द्र प्रसाद रघुवंशी | सहायक अभियन्ता | 20.07.46 | 31.07.06 | उत्तरांचल काठर |
| 4. | श्री नन्दन सिंह स्योत्री बिष्ट | सहायक अभियन्ता | 15.08.46 | 31.08.06 | उत्तरांचल काठर |
| 5. | श्री राम चन्द्र राठौर | सहा० अनुसंधान अधिकारी | 10.01.46 | 31.01.06 | स्थानीय काठर |
| 6. | श्री इन्दु मोहन गुसाई | सहा० अनुसंधान अधिकारी | 05.02.46 | 28.02.06 | स्थानीय काठर |
| 7. | श्री सुमति लाल जैन | सहा० अनुसंधान अधिकारी | 13.03.46 | 31.03.06 | स्थानीय काठर |
| 8. | श्री राजवीर सिंह | सहा० अनुसंधान अधिकारी | 20.12.46 | 31.12.06 | स्थानीय काठर |

एन० रवि शंकर,
सचिव।

न्याय अनुभाग-1

अधिसूचना

नियुक्ति

25 जनवरी, 2006 ई०

संख्या 1-नो०-(सी०)/XXXVI(I)/2006-नोटरी अधिनियम, 1952 (अधिनियम संख्या 53, सन् 1952) की धारा 3 के अधीन शक्ति का प्रयोग करके महामहिम राज्यपाल श्री त्रिभुवन सिंह, अधिवक्ता को दिनांक 24-01-2006 से पांच वर्ष की अवधि के लिए जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ-साथ तहसील बड़कोट के लिए नोटरी नियुक्त करते हैं और नोटरीज रुल्स, 1956 के नियम 8 के उपनियम (4) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके यह भी निदेश देते हैं कि श्री त्रिभुवन सिंह का नाम उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन रखे गये नोटरी पंजिका में प्रविष्टि कर ली जाय।

आज्ञा से,

यू० सी० ध्यानी,
सचिव एवं विधि परामर्शी।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. 1-No-(C)/XXXVI(I)/2006, dated January 25, 2006 for general information:

NOTIFICATION

Appointment

January 25, 2006

No. 1-No-(C)/XXXVI(I)/2006-In exercise of the powers under section 3 of the Notaries Act, 1952 (Act no. 53 of 1952), the Governor is pleased to appoint Sri Tribhuvan Singh, Advocate as Notary for a period of five years with effect from 24-01-2006 for District Headquarter Uttarkashi including Tehsil Barkol and in exercise of the powers under sub-rule (4) of Rule 8 of Notaries Rules, 1956 also directs that the name of Sri Tribhuvan Singh be entered in the register of Notaries maintained under section 4 of the said Act.

By Order,

U.C. DHYANI,
Secretary & L.R.

सं० 1608/VIII/58-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, इल्हानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय :- वित्तीय वर्ष 2005-06 में वाराकोट, जिला चम्पावत में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद चम्पावत के वाराकोट में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कटिंग एण्ड स्वीडिंग, आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित), विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बर्तों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, वाराकोट, जिला चम्पावत हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 6,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक चण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | चण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,610-3,640 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चीकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-सकत पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेश के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०सं० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|---------|---------------------------------|-------|-----------------|
| 1. | कटिंग एण्ड स्वीडिंग | 01 | 16 |
| 2. | आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित) | 01 | 16 |
| 3. | विद्युतकार | 01 | 16 |

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्था :-

धनराशि हजार रुपयों में

| क्र० सं० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|----------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-मंडगाई भत्ता | 01 |
| 3. | 04-यात्रा भत्ता | 01 |
| 4. | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल उभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किसाया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12. | 28-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-मंडगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व ससम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में गितव्ययता नितान्त आवश्यक है, गितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दशें एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-ग्राम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 02/वि०अनु०-5, दिनांक 03.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं० 1610 / VIII / 60-प्रशि० / 2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, इल्हासी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 12 जनवरी, 2006 ई०

विषय :— वित्तीय वर्ष 2005-06 में मोरी, जनपद उत्तरकाशी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उत्तरकाशी के मोरी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कटिंग एण्ड स्वीइंग, आशुलिपि हिन्दी, वायरमैन हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्तों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की भी राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मोरी, जिला उत्तरकाशी हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वैतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 6,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक भण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | भण्डार/कार्यशाला परिवर | 02 | 2,610-3,540 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | छोकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०सं० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|---------|---------------------|-------|-----------------|
| 1. | कटिंग एण्ड स्वीडिंग | 01 | 16 |
| 2. | आशुलिपि हिन्दी | 01 | 18 |
| 3. | कायरमैन | 01 | 16 |

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्था :-

धनराशि हजार रुपयों में

| क्र० सं० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|----------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-मंहगाई भत्ता | 01 |
| 3. | 04-यात्रा भत्ता | 03 |
| 4. | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12. | 28-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-मंहगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एग्रेसीवीटी के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-ग्राम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 15/वि०अनु०-5, दिनांक 04.01.06 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं० 1612 / VIII / 62-प्रशि० / 2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय :- वित्तीय वर्ष 2005-06 में जसपुर, जनपद ऊधमसिंह नगर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद ऊधमसिंह नगर के जसपुर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय फिटर, विद्युतकार, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्ते की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जसपुर, जिला ऊधमसिंह नगर हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 6,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक भण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-8,000 |
| 7. | भण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,810-3,540 |
| 8. | घपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०सं० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|---------|---------------------|-------|-----------------|
| 1. | फिटर | 01 | 16 |
| 2. | विद्युतकार | 01 | 16 |
| 3. | डाटा एन्ट्री ऑपरेटर | 01 | 20 |

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

बजट व्यवस्था :-

धनराशि हजार रुपयों में

| क्र० सं० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|----------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-महगाई भत्ता | 01 |
| 3. | 04-भावा भत्ता | 01 |
| 4. | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12. | 28-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-महगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रुल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेसकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूजो 06/वि०अनु०-5, दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं० 1613/VIII/63-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय :- वित्तीय वर्ष 2005-06 में किच्छा, जनपद ऊधमसिंह नगर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद ऊधमसिंह नगर के किच्छा में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कटिंग एण्ड स्वीडिंग, वेल्डर, कारपेन्टर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्तों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, किच्छा, जिला ऊधमसिंह नगर हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 6,500-10,600 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक भण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | भण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,810-3,540 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०सं० | व्यवस्था का नाम | श्रेणी | प्रवेशावस्था |
|---------|--------------------|--------|--------------|
| 1 | कटिंग एवं स्वीडिंग | 01 | 16 |
| 2 | बैल्डर | 01 | 12 |
| 3 | कार्पाइन्टर | 01 | 16 |

3. उक्त संस्था के आगवर्तक व्यय एवं अभियान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14 00 000 00 (चеты चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किसे एवं की श्री वाचस्पति सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं -

कृते व्यय :-

अन्यथा उक्त व्यय

| क्र०सं० | व्यय का नाम | आवश्यक धनराशि |
|---------|------------------------------|---------------|
| 1 | 01 वेतन | 01 |
| 2 | 03-सहायक भरण | 01 |
| 3 | 04-शाला भरण | 01 |
| 4 | 06-अन्य भरण | 01 |
| 5 | 08-कार्पाइन्टर व्यय | 50 |
| 6 | 08-विद्युत दंड | 50 |
| 7 | 10-प्रत्यक्ष/अन्य भरण | 01 |
| 8 | 11-वेतन राशि | 12 |
| 9 | 12-कार्पाइन्टर कर्मचारी/व्यय | 01 |
| 10 | 13-किराया व्यय | 01 |
| 11 | 21-आवृत्ति/भरण वेतन | 10 |
| 12 | 28-भरती भरण-सहाय/व्यय | 1200 |
| 13 | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14 | 48-सहायक वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4. उक्त धनराशि इस प्रविश्य के साथ एवं शर्तों के अधीन आपक विवरण पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त धन में आवंटित शीम तक ही व्यय सीमित रहना चाहे। यदि यह भी स्पष्ट किए जाते हैं कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसी व्यय के करने का अधिकार नहीं देता है, जिस व्यय करने से बजट नियंत्रण या वित्तीय संसाधन के निष्पत्ति में व्यय का उपयोग का उपयोग नहीं हो। वहीं व्यय करने से पूर्व संलग्न अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वही ऐसा व्यय सामान्य अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जावेगा। व्यय में निम्नलिखित विवरण आवश्यक है निम्नलिखित के साथ ही समग्र-समग्र पर जातीय शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कराई से सुनिश्चित किया जाये व्यय उचित भरी है किशोरावस्था विषयक नियम पर स्वीकृत किया जा रहा है।

5. व्यय करने समय स्वीकृत परवेज कल, बीबीएस एच डी की दरें एवं शर्तों के-न/कोटेशन आदि के विषयक निर्णय के अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा। उपकरणों आदि का क्रय करने के 2 के एन०बी०पी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जावेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जावेगा।

7. भवन व्यय एवं वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16 मुख्य लेखाधीनक-2230-अन्य तथा सीमांत, 03-प्रशिक्षण, आशीर्वाद, 003-सहायक लेखा परीक्षकों का प्रशिक्षण, 03-सहायक प्रशिक्षण शीम-1 एवं अधिकार आशीर्वाद-10 के अंतर्गत मानक भवन के नाम काव्यं।

8-यह आदेश विन विभाग के आशाकीय संख्या सूची 07/वि०अ०-5, दिनांक 02.01.2006 के अंतर्गत प्राप्त उनकी संकेति से जारी किए जा रहे हैं।

सं० 1614/VIII/84-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय - वितीय वर्ष 2005-06 में धौलघार, जिला टिहरी गढ़वाल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद टिहरी गढ़वाल के धौलघार में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय काटिंग एण्ड स्वीडिंग, विद्युतकार डाट एन्ट्री ऑपरेटर हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.01.2006 तक के लिए भरतों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये, को सृजित किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं -

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, धौलघार, जिला टिहरी गढ़वाल हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 8,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक मण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | मण्डार/कार्यशाला परिवर | 02 | 2,810-3,540 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०स० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|--------|---------------------|-------|-----------------|
| 1. | कटिंग एण्ड स्वीइंग | 01 | 16 |
| 2. | विद्युतकार | 01 | 16 |
| 3. | हाटा एन्ट्री ऑपरेटर | 01 | 16 |

3-उक्त रास्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

बजट व्यवस्था :-

धनराशि हजार रुपयों में

| क्र० स० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|---------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-महगाई मत्ता | 01 |
| 3. | 04-वात्रा मत्ता | 01 |
| 4. | 08-अन्य मत्ता | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत दैय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12. | 26-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-महगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4 उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके भितर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उपर मद में आवणित सीमा तक हो व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाए व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5 व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6 स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7 उक्त व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाधीनक 2230-ग्राम तथा रोजगार 03-प्रशिक्षण आयोजनागत 003-दस्तकार तथा पर्यवेसकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत 00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे खाला जायेगा।

8 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सख्या यूओ 01/वि०अनु०-5, दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

स० 1515 / VIII / 65—प्रशि० / 2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, इल्हासी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय — वित्तीय वर्ष 2005-06 में धौलखीना जिला अल्मोड़ा में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद अल्मोड़ा के धौलखीना में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित), कलिंग, ललिंग, विद्युत्कार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्यात होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बरातों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, जो सृजित तिथि जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहित स्वीकृति प्रदान करते हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, धौलखीना, जिला अल्मोड़ा हेतु पदों का विवरण

| क्र०स० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|--------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 6,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक मण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | मण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,610-3,540 |
| 8. | चपससी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्व-स्कार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2. उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुसूचित भत्ताएँ एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०सं० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|---------|---------------------------------|-------|-----------------|
| 1. | आशुलिपि हिन्दी (कम्प्यूटर सहित) | 01 | 16 |
| 2. | कटिंग टेलरिंग | 01 | 16 |
| 3. | विद्युतकार | 01 | 18 |

3- उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

बजट व्यवस्था :-

धनराशि हजार रुपयों में

| क्र० सं० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|----------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-मंडगाई भत्ता | 01 |
| 3. | 04 यात्रा भत्ता | 01 |
| 4. | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12. | 28-मशीनें राज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-मंडगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता निरन्तर आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5- व्यय करते समय रटोर परदेज क्लस, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन0सी0वी0टी0 के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 18, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-ग्राम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, आयोजनागत, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत 00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या यूओ 04/वि०अनु०-5, दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

स्रो 1616 / VIII / 66-प्रशि० / 2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून दिनांक 12 जनवरी 2006 ई०

विषय वित्तीय वर्ष 2005-06 में कासखेत जिला पौड़ी गढ़वाल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पौड़ी गढ़वाल के कासखेत में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय आयुक्तिये हिन्दी (कम्प्यूटर सहित कटिंग टेलरिंग, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अर्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो से दिनांक 18.02.2006 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के सम्पादन न कर दिये जाये, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सार्ध स्वीकृति प्रदान करते हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कासखेत जिला पौड़ी गढ़वाल हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1 | कार्यदेशक स्त्री-तीन | 01 | 8,500-10,500 |
| 2 | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3 | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4 | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5 | सहायक मण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6 | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7 | मण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,510-3,540 |
| 8 | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9 | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10 | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2 उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०स० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|--------|--------------------|-------|-----------------|
| 1 | ड्राफ्ट्समैन सिविल | 01 | 16 |
| 2 | कटिंग टैलरिंग | 01 | 16 |
| 3 | विद्युतकार | 01 | 16 |

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं

बजट व्यवस्था :-

| क्र० स० | मद का नाम | धनराशि हजार रुपयों में |
|---------|---------------------------|------------------------|
| क्र० स० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
| 1 | 01-वेतन | 01 |
| 2 | 03-मंहगाई भत्ता | 01 |
| 3 | 04-यात्रा भत्ता | 01 |
| 4 | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5 | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6 | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7 | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8 | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9 | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10 | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11 | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12 | 28-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13 | 42-अन्य ध्यय | 70 |
| 14 | 48-मंहगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4-उक्त धनराशि, इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय सन्धी मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करत सभ्य स्टोर परचेज रूलस, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों, टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जायेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-ग्राम तथा नेजगार, 03-प्रशिक्षण आयोजनागत 003-दस्तकारों तथा पर्यवेसकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत 00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 20/वि०अनु०-5, दिनांक 06.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

स० 1618/VIII/68-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, इल्हासी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय - वित्तीय वर्ष 2005-06 में थल जिला पिथौरागढ़ में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद पिथौरागढ़ के थल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्तावित तीन व्ययसाय आशुलिपि हिन्दी वर्टिंग टेलरिंग, विद्युतक र हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए चशर्तों की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, थल जिला पिथौरागढ़ हेतु पदों का विवरण

| क्र०स० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वेतन ग्रेड |
|--------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 8,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 6,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक मण्डारी | 01 | 4,000-8,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-8,000 |
| 7. | मण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,610-3,540 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य मंहगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

प्रश्नक,

सहित नाम

अथ संविद

उत्तरांचल शासन।

संवा में,

निदेशक

महिला एवं संवायोजन,

उत्तरांचल, हरदोती।

अथ एवं संवायोजन विभाग

विषय - वितीय वर्ष 2005-06 में पोखरी, जिला समूची में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

प्रतिपद,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में मुझे यह कर्तव्य का निर्देश हुआ है कि उपरोक्त समूची की पोखरी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करके हुए इसका विवरण प्रकाशित की जाय ताकि अन्य संवायोजन विभागों के लिए निर्देशों के अन्तर्गत भी इसी प्रकार की योजनाएं की जा सकें।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पोखरी, जिला समूची में 1 परत की विषय

| क्रमांक | परत का नाम | रक्षित और नाम | देखाना |
|---------|------------|---------------|--------|
|---------|------------|---------------|--------|

| 1. | कार्यक्षेत्रक शीर्षक-रीन | 01 | 8,500-10,500 |
|-----|---------------------------|----|--------------|
| 2. | व्यवसाय अध्ययनक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अध्ययनक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अध्ययनक कला/शिल्प | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक व्यवसाय | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वर्तित सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | सहायक/कार्यक्षेत्रक परितर | 02 | 2,510-3,540 |
| 8. | व्यवसाय | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | श्रीक्रीडा | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | सहायक | 01 | 2,550-3,200 |

2. उपर के धारकों की उक्त परत के देवत के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रकाशित जादेशों के अनुसार अनुमति प्रदान करने के लिए भी देव हो।

सो 1621/VIII/05-713-प्रशि०/2004

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

अम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून दिनांक 09 जनवरी, 2006 ई०

विषय - वित्तीय वर्ष 2005-06 में कपकोट, जनपद बागेश्वर में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपरोक्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद बागेश्वर के कपकोट में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कोषा, कटिंग टेलरिंग विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बर्तन की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें को सृजित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कपकोट, जिला बागेश्वर हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वैतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक अंणी-तीन | 01 | 8,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक भण्डारी | 01 | 4,000-6,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | भण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,610-3,540 |
| 8. | घपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | चौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्तब्धकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2-उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुपन्य भंडगई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

| क्र०स० | व्यवसाय का नाम | यूनिट | प्रशिक्षण स्थान |
|--------|----------------|-------|-----------------|
| 1. | कोपा | 01 | 20 |
| 2. | कटिंग टेलरिंग | 01 | 16 |
| 3 | विद्युतकार | 01 | 16 |

3-उक्त संस्थान के अनावर्तक व्ययों एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (रुपये चौदह लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं

बजट व्यवस्था -

धनराशि हजार रुपयों में

| क्र० सं० | मद का नाम | आवश्यक धनराशि |
|----------|---------------------------|---------------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-मंहगाई मत्ता | 01 |
| 3. | 04-यात्रा मत्ता | 01 |
| 4. | 06-अन्य मत्ता | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 50 |
| 6. | 09-विद्युत देय | 50 |
| 7. | 10-जलकर/जल प्रभार | 01 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 12 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 01 |
| 10. | 13-किराया उपशुल्क | 01 |
| 11. | 21-छात्रवृत्ति/छात्र वेतन | 10 |
| 12. | 28-मशीनें साज-सज्जा/उपकरण | 1200 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 70 |
| 14. | 48-मंहगाई वेतन | 01 |
| योग : | | 1400 |

4-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त मद में आवंटित सीमा तब ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट गैनुअल या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययता भित्तान्त आवश्यक है, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्टोर परचेज रूल्स, डीजीएस एण्ड डी की दरों एवं शर्तों टेन्डर/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ट्रेड के एन०सी०वी०टी० के मानक के अनुसार ही क्रय किया जावेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

7-उक्त व्यय चानू वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 18, मुख्य लेखाशीर्षक-2230-ग्राम तथा रोजगार, 03 प्रशिक्षण आयोजनागत 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 03-दस्तकार प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनागत-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

8-यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 05/वि०अनु०-5, दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

सं० 1617/VIII/67-प्रशि०/2005

प्रेषक,

सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक
प्रशिक्षण एवं सेवायोजन,
उत्तरांचल, हल्द्वानी।

श्रम एवं सेवायोजन विभाग

देहरादून : दिनांक 12 जनवरी, 2006 ई०

विषय वितीय वर्ष 2005-06 में कालाढूंगी, जिला नैनीताल में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।

महोदय,

उपर क्त विषय के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद नैनीताल के कालाढूंगी में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करते हुए इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय ड्राफ्ट समैन सिविल कटिंग टेलरिंग, विद्युतकार हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अस्थाई पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्गत होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि जा भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बशर्त की ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जाये का सृजित किये जाने का श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कालाढूंगी, जिला नैनीताल हेतु पदों का विवरण

| क्र०सं० | पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | वैतनमान |
|---------|------------------------|--------------------------------------|--------------|
| 1. | कार्यदेशक श्रेणी-तीन | 01 | 8,500-10,500 |
| 2. | व्यवसाय अनुदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अनुदेशक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अनुदेशक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक मण्डारी | 01 | 4,000-8,000 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | 01 | 4,000-8,000 |
| 7. | मण्डार/कार्यशाला परिचर | 02 | 2,810-3,540 |
| 8. | चपरासी | 01 | 2,550-3,200 |
| 9. | घौकीदार | 02 | 2,550-3,200 |
| 10. | स्वच्छकार | 01 | 2,550-3,200 |
| योग : | | 14 | |

2. उक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रख्यापित आदेशों के अनुसार अनुमन्य महगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी देय होंगे।

प्रश्नक. सोहन लाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।
संवा. सं.,
निदेशक,
प्रशिक्षण एवं सेवाशिक्षण,
उत्तराखण्ड, देहरादून।
भूम एवं सेवाशिक्षण विभाग
विषय :- वितीय वर्ष 2005-06 में बिना, जगदल अमोडा में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु।
महोदय,
व्यवस्था विभाग के सदस्य में मुझे यह करने का निदेश हुआ है कि जगदल अमोडा के बिना में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना करने हेतु, इसके लिए प्रस्तावित तीन व्यवसाय कृषि, विद्युतकार, जलवायु हेतु न्यूनतम आवश्यकता के आधार पर मानक के अनुसार कुल 14 अखाड़े पद निम्नलिखित विवरणानुसार शासनादेश निर्धारित होने की तिथि अथवा पद को भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो, से दिनांक 28.02.2006 तक के लिए बराबरी की वे पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त न कर दिये जायें, को सुनिश्चित करने के लिए व्यवधान सहित स्वीकृति प्रदान करने हेतु-

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिना, जिला अमोडा हेतु पदों का विवरण

| पदों का नाम | स्वीकृत किए जाने वाले पदों की संख्या | प्रमाणन (वर्ष में) |
|-------------|--------------------------------------|--------------------|
|-------------|--------------------------------------|--------------------|

| | | | |
|-----|-------------------------|----|--------------|
| 1. | कार्यदेशक शैली-रीन | 01 | 6,500-10,500 |
| 2. | उपस्थापक कार्यदेशक | 03 | 5,000-8,000 |
| 3. | अध्यक्षक सामाजिक अध्ययन | 01 | 5,000-8,000 |
| 4. | अध्यक्षक कला/गणित | 01 | 5,000-8,000 |
| 5. | सहायक मुख्याधी | 01 | 5,000-8,000 |
| 6. | वर्षिक सहायक | 01 | 4,000-6,000 |
| 7. | मुख्य/कार्यशाखा अधिकार | 01 | 4,000-6,000 |
| 8. | अध्यक्ष | 02 | 2,810-3,540 |
| 9. | श्रीकीदार | 01 | 2,550-3,200 |
| 10. | उपस्थकार | 02 | 2,550-3,200 |

2-उपरोक्त पद के धारकों को उक्त पद के वेतन के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर प्रत्याभित आदेशों के अनुसार अनुमान्य महंगाई एवं अन्य भत्ते आदि भी दिये होंगे।

| क्र०सं० | उपस्थान का नाम | पूँति | परीक्षा स्थान |
|---------|----------------|-------|---------------|
| 1. | कोषा | 01 | 20 |
| 2. | विद्युत्कार | 01 | 18 |
| 3. | लक्ष्मण | 01 | 16 |

3-उक्त स्थान के अगवर्तक व्यर्थ एवं अधिष्ठान के खर्च हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार रुपये 14,00,000.00 (चारों बीस लाख मात्र) की धनराशि को व्यय किसे जाने की श्री राज्यपाल महोदय स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

| महत्त्वपूर्ण :- | धनराशि द्वारा व्यय की गई | धन का नाम | आवश्यक धनराशि |
|-----------------|--------------------------|-----------|---------------|
|-----------------|--------------------------|-----------|---------------|

| | | |
|-------|---------------------------|------|
| 1. | 01-वेतन | 01 |
| 2. | 03-महंगाई भत्ता | 01 |
| 3. | 04-ग्राम भत्ता | 01 |
| 4. | 06-अन्य भत्ते | 01 |
| 5. | 08-कार्यालय व्यय | 01 |
| 6. | 09-विद्युत् दंड | 50 |
| 7. | 10-जनकर/जन भरण | 50 |
| 8. | 11-लेखन सामग्री | 01 |
| 9. | 12-कार्यालय फर्नीचर/उपकरण | 12 |
| 10. | 13-किराया उपकरण | 01 |
| 11. | 21-आवृत्ति/छात्र वेतन | 01 |
| 12. | 26-भरती सार-सम्मान/उपकरण | 10 |
| 13. | 42-अन्य व्यय | 1200 |
| 14. | 48-महंगाई वेतन | 70 |
| योग : | | 1400 |

4-उक्त धनराशि इस प्रकार के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निवर्तन पर स्वीकृत की जा रही है कि उक्त धन में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रहना चाहे। यहाँ पर भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवर्तन किसी ऐसे व्यय की करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बचत भोजन या विविध दवा-प्रतिरक्षा के निधनों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व संलग्न अधिकांश की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय संलग्न अधिकांश की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जावेगा। व्यय में निम्नलिखित निवर्तन आवश्यक है, निम्नलिखित के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी साप्ताहिक/अन्य आदेशों का अनुपालन कर्तव्य से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उ-ही भर्ती में किया जावेगा जिसके निम्न पर स्वीकृत किया जा रहा है।

5-व्यय करते समय स्वीकृत परचम, डीपीएस फूड डी की दरों एवं शर्तों, ई-स्व/कोटेशन आदि के विषयक नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जावेगा। उपकरणों आदि का क्रय प्रत्येक ईड के ए-10सीवीटीओ के मानक के अनुसार ही क्रय किया जावेगा।

6-स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण व्ययान कर लिया जावेगा।

7-उक्त व्यय वाले विवरण वर्ष 2005-06 हेतु अनुदान संख्या 16, मुख्य लेखाधीनक-2230-अन्य तथा योजनाएं, 03-प्रशिक्षण, आयोजनाएं, 003-दस्तावेजों तथा पर्यवेक्षणों का प्रशिक्षण, 03-दस्तावेज प्रशिक्षण योजना एवं अधिष्ठान आयोजनाएं-00 के अन्तर्गत सुसंगत मानक भर्ती के तहत खर्च जावेगा।

8--यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या यूओ 08/वि०अनु०-5, दिनांक 02.01.2006 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,
सोहन लाल,
अपर सचिव।



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 18 फरवरी, 2006 ई0 (माघ 29, 1927 शक सम्वत्)

भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आझार, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तरांचल के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

कृषि निदेशालय, उत्तरांचल,
देहरादून

कार्यालय-ज्ञाप

04 जनवरी, 2006 ई0

पत्रांक कृ0नि0/4520/क0अभि0/संगठन पत्रा0/2005-06-कृषि विभाग, उत्तरांचल के अन्तर्गत कार्यरत निम्नलिखित कनिष्ठ अभियन्ताओं को शासनादेश संख्या 1661/47 का0-4-448 एम/85, दिनांक 11.03.1991 के प्राविधानों के अनुपालन में उनकी 16/14 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर श्रेणी-2 के पद का वेतनमान रु0 8,000-275-13,500 अनुमन्य कर दिये जाने के फलस्वरूप एतद्द्वारा राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान की जाती है।

राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान किये जाने के फलस्वरूप इन कनिष्ठ अभियन्ताओं के वेतन में कोई वृद्धि नहीं होगी और न ही उनकी ज्येष्ठता प्रभावित होगी।

| क्र0 सं0 | कनिष्ठ अभियन्ता का नाम | कनिष्ठ अभियन्ता के पद पर योगदान की तिथि | 16/14 वर्ष की सेवा पर वेतनमान रु0 8,000-275-13,500 स्वीकृति का दिनांक |
|-------------|------------------------------|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | श्री राजेन्द्र कुमार गहलोत | 20.01.1982 | 01.04.2001 |
| 2. | श्री केशर सिंह नेगी | 20.11.1983 | 01.04.2001 |
| 3. | श्री संजय कुमार अग्रवाल | 09.11.1984 | 01.04.2001 |
| 4. | श्री दिनेश चन्द्र सुन्दरियाल | 23.05.1984 | 01.04.2001 |
| 5. | श्री राधेश्याम शर्मा | 05.04.1984 | 01.04.2001 |
| 6. | श्री हरीश चन्द्र भारद्वाज | 19.03.1986 | 01.04.2001 |
| 7. | श्री बाल भोख बिष्ट | 15.11.1983 | 01.04.2001 |
| 8. | श्री किशोर कान्त कोटियाल | 10.07.1981 | 01.04.2001 |